

प्रेषक,

डॉ० एम०सी० जोशी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 20 जून, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-2007 में उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को आयोजनेत्तर पक्ष में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 540/06/उरेडा-11(11)नौ०प्ला०/06-07 दिनांक 03.05.2006 एवं शासनादेश संख्या 593/1/2006-03(1)/11/06, दिनांक 22.04.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-2007 में आयोजनेत्तर पक्ष में उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के वचनबद्ध व्ययों को वहन करने हेतु रु० 70 लाख (रु० सत्तर लाख मात्र) की धनराशि को निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि की फांट निदेशक, उरेडा, देहरादून द्वारा मुख्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालयों के लिये करने के उपरान्त शासन को अवगत कृत्या जायेगा और धनराशि का आहरण आवश्यकता अनुसार ही केवल वेतन के भुगतान हेतु ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि के बिल उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा तैयार/हस्ताक्षरित किये जायेंगे तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर कराकर कोषागार से धनराशि का आहरण किया जायेगा। उरेडा मुख्यालय से सम्बन्धित धनराशि का आहरण वित्त एवं लेखा अधिकारी द्वारा तैयार बिल पर अपर सचिव, ऊर्जा के प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त किया जायेगा।
- 3- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्वेज रुल्स, डी०जी०एम० एण्ड डी० अथवा टैंडर/कुटेशन विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती किए जाने के प्रयास किए जायेंगे।
- 4- स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सप्तेष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- अगली किश्त तभी स्वीकृत की जायेगी, जब उरेडा द्वारा वास्तविक व्यय का विवरण, पूर्व स्वीकृत एवं अब स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण एवं उसकी उपयोग की स्थिति उपलब्ध करा दी जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

८

- 7- स्वीकृति की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।
- 8- यात्रा व्यय तथा पीओओएलओ एवं वाहन अनुसूचन पर भित्तव्ययता के आधार पर व्यय किया जायेगा।
- 9- अप्रैल, 2006 से नये पदों के भरे जाने के फलस्वरूप होने वाले व्यय के सापेक्ष श्रेणीवार पदों (समूह 'क', 'ख', 'ग' व 'घ') की सूचना विभाग द्वारा रखी जायेगी जिससे वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत विभागवार श्रेणीवार भरे जाने वाले पदों तथा इसके सापेक्ष होने वाले व्ययों की जानकारी प्राप्त हो सके।
- 10- वित्तीय वर्ष 2006-07 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो, के विवरण की सूचना उरेखा द्वारा अलग से रखी जायेगी।
- 11- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान रा0-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनेतर-800-अन्य-03-प्रशासनिक व्यय-01-उरेखा के लिये अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

2- वह आदेश वित्त विभाग के अज्ञासकीय संख्या: 212/XXVII(2)/2006, दिनांक 17 जून, 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

संख्या २९३ / 1/2006-03(1)/11/06, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4- समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5- समस्त परियोजनाधिकारी, उरेखा।
- 6- वित्त अनुभाग-2
- ✓ 7- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल हेतु।

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव